पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव

*445. **श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' :††**

श्री कपिल सिब्बल:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अमरीका-इराक युद्ध के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पहले चल रही कीमतों की तुलना में कम हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो युद्ध के पूर्व और दौरान इसकी औसत कीमतें क्या थीं;

(ग) क्या यह भी सच है कि युद्ध के दौरान भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई थी; और

(घ) यदि हां, तो किन-किन पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कितनी-कितनी वृद्धि की गई थी; इस बारे में ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : (क) से (घ) सदन के पटल पर एक विवरण रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी, हां।

(ख) 20 मार्च, 2003, जिस तारीख से अमरीका ने इराक पर आक्रमण किया से 15 अप्रैल,2003 की अवधि के लिए क्रच्चे तेल के भारतीय बास्केट का औसत मूल्य 24.87 अमरीकी डालर/बैरल था। इसकी तुलना में युद्ध के शुरू होने से पहले 1 से 19 मार्च, 2003 और फरवरी, 2003 की अवधि के लिए कच्चे तेल के भारतीय बास्केट का औसत मूल्य क्रमश: 30.78 अमरीकी डालर/बैरल और 31.22 अमरीकी डालर/बैरल था।

(ग) जी, नहीं।

(घ) उपर्युक्त (ग) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

Fluctuation in Prices of Petroleum Products

†445. SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN' :††

SHRI KAPIL SIBAL:

Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

†Original notice of the question was received in Hindi.

††सभा में यह प्रश्न श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' द्वारा पूछा गया।

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajiv Ranjan Singh "Lalan".

(a) whether it is a fact that the prices of crude-oil has come down in the international market during the America-Iraq war in comparison to the prices prevailing previously;

(b) if so, the average price of the same before and during the war;

(c) whether it is also a fact that the prices of petroleum products were increased in India during the war; and

(d) if so, the details of the products for which prices have been increased and extent of the increase?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) The average price of Indian basket of crude oil for the period from 20th March 2003, the day USA attacked Iraq, to 15th April 2003 was US$ 24.87/barrel. As compared to this, the average price of Indian basket of crude oil for the period before the beginning of war from 1st to 19th March 2003 and in February 2003 was US$ 30.78/barrel and US$ 31.22/barrel respectively.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise in view of (c) above.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : सभापति महोदय, सरकार ने उत्तर में स्वीकार किया है कि इराक युद्ध के पहले अलग-अलग समय में जो कच्चे तेल की कीमत थी, वह 30.78 अमेरिकी डॉलर और 31.22 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी और इराक युद्ध के बाद वह घटकर 24.27 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गयी है। लेकिन जो इस दौरान कच्चे तेल की दर घटी है, उसके हिसाब से हम लोगों के यहां जो पैट्रोल और डीज़ल की कीमत घटायी गयी, वह मात्र एक रुपए प्रति लीटर के हिसाब से घटायी गयी है जो उस रेश्यो में नहीं है। हम जानना चाहते हैं कि कच्चे तेल की जो वास्तविक कीमत है, उसके आधार पर आप मूल्य निर्धारित करते हैं या नहीं ?

श्री राम नाईक : महोदय,जब तेल के दाम अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत ऊंचे हो गये थे जैसे कि उत्तर में हमने कहा है कि युद्ध के पहले ऐवरेज 30.78 डॉलर और 31.22 डॉलर्स हो गया था, युद्ध के पहले दाम बहुत बढ़ गये थे, उस समय जितना ज्यादा दाम बढ़ाना चाहिए था वह हमने नहीं बढ़ाया ताकि इकॉनामी पर खराब असर न पड़े। तेल कम्पनियों ने यह सोचा कि इसमें से कुछ भार वे सहन करेंगे और कुछ ग्राहकों पर पड़ेगा। मैं सदन को यह बताना चाहता हूं कि यदि उस समय पर तेल कम्पनियां उसके अनुपात में कीमत बढ़ातीं तो लगभग 8 रुपए 71 पैसे प्रति लीटर पैट्रोल का दाम

बढ़ जाता और डीज़ल का 6 रुपये 35 पैसे इस कार्यकाल में दाम बढ़ाना पड़ता, जो नहीं बढ़ाया गया। इसलिए उस समय पर ज्यादा भार उन्होंने वहन किया तो क्रमशः जब रेट अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कम हो रहे हैं तो धीरे-धीरे वह और कम करते जाएंगे।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : सभापति महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो कच्चे तेल की कीमत है, उसी के आधार पर जो अन्य पेट्रोलियम पदार्थ हैं, क्या उनकी दर भी उसी पर निर्धारित की जाती है? यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

श्री राम नाईक : ऐडमिनिस्ट्रेटिव प्राइस मेकेनिज्म समाप्त करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जो दाम होते हैं, उस पैरिटी को सामने रखकर अपने यहां तेल कंपनियां पेट्रोल, डीज़ल के दाम तय करती रही हैं और फिर जैसे परिवर्तन होता है, पंद्रह दिन में ज्यादा या कम, वे करती रहती हैं। पिछले एक साल में चार बार दाम कम भी किया है। तो उसका एक लाभ ग्राहकों को भी होता है। मोटे तौर पर इस पद्धति से अंतर्राष्ट्रीय बाजार के जो दाम हैं--हम 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करते हैं, हमने पिछले साल 84,000 करोड़ का कच्चा तेल आयात किया और उसके पहले 67,000 करोड़ का किया था, एक साल में हमें 17,000 करोड़ का ज्यादा तेल लाना पड़ा, इस वजह से दाम बढ़ते रहते हैं।

SHRI KAPIL SIBAL : Mr. Chairman, Sir, the factual position is this that the actual cost of one litre of petrol is Rs. 13.59 and it is sold in the market at Rs. 33/- per litre. The excise, octroi and other duties are Rs. 19.50 per litre. The Minister has just now stated that had he, in fact, gone along with the increase in prices in the international market, he would have to increase the price of petrol by another Rs. 8/- *de hors* the reality. The reality is that you are already taxing the poor consumers at Rs. 19/- per litre when the cost is Rs. 13/- per litre. How can the Minister say in this House that he would have to increase it by another Rs. 8/- if he had gone along with the increase in prices in the international market? He should decrease it by Rs. 20/- per litre so that the ordinary consumer is not put to loss. Please respond to that.

श्री राम नाईक : सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए और सदन की जानकारी के लिए यह कहना चाहूंगा कि उन्होंने जो बात कही है, वह मोटे-मोटे तौर पर ठीक है। अब पेट्रोल का दिल्ली में बेसिक सेलिंग प्राइस 13 रुपए, 64 पैसे है लेकिन केंद्र की एक्साइज़ ड्यूटी है, केंद्र के टैक्सेज़ हैं, सेल्स टैक्स है--यह सब करते-करते दिल्ली में 13 रुपए 64 पैसे का जो बेसिक सेलिंग प्राइस है, उस पर टोटल टैक्सेज़ हैं--18 रुपए 85 पैसे। इस कारण दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 32 रुपए 49 पैसे है। क्योंकि बेसिक प्राइस और टैक्सेज़ की बात की गई तो टैक्सेज़ 18 रुपए 85 पैसे हैं मतलब There is 138 per cent tax. So, a system has to be developed, and I feel that it can be developed steadily. लेकिन यह बात सही

है। इसी प्रकार से डीज़ल में भी है और इसलिए टैक्सेज़ ज्यादा हैं। अब टैक्सेज़ ज्यादा हैं तो वे देश के काम के लिए लगाए जाते हैं।...(**व्यवधान**)

श्री कपिल सिब्बल : डीज़ल में 70 प्रतिशत...

श्री राम नाईक : डीज़ल की भी जानकारी मैं दे रहा हूं। सही जानकारी आपको मिलेगी।

श्री सभापति : डीज़ल की जानकारी नहीं मांगी है, आप पेट्रोल तक ही सीमित रहिए।

श्री राम नाईक : डीज़ल का बेसिक सेलिंग प्राइस 13.41 है तो उस पर भी सब टैक्सेज़ मिलाकर 7 रुपए 71 पैसे हैं। यह भी बेसिक सेलिंग प्राइस से 57 परसेंट ज्यादा है। यह तो मैंने दिल्ली के बारे में बताया लेकिन मैं मुम्बई का हूं और मुम्बई में तो टैक्सेज़ के कारण पेट्रोल के दाम 182 परसेंट ज्यादा हैं और...(**व्यवधान**)

SHRI KAPIL SIBAL : So, why should you increase the price?

श्री राम नाईक : Taxes are there और 101 परसेंट डीज़ल में हैं तो जब टैक्सेज़ की पुनर्रचना होगी, ये दाम तभी कम होंगे।

SHRI KAPIL SIBAL : Mr. Chairman, in fact I want to submit one thing in the context of what the hon. Minister has said. I have got the figures of prices on a daily basis, right from March 3rd. The Iraq war took place on March 20th, and from March 3rd onwards, the highest that it ever reached was Rs. 34.55. Otherwise, the average price is less than Rs. 33/-. So, I do not know how the Minister has said that he would have had to increase the price by another Rs. 8/- when the average price was less than Rs. 33/-.

श्री राम नाईक : यह गलतफहमी है। जब युद्ध होने की संभावना की खबरें आईं, उस समय दाम बहुत बढ़े और जब युद्ध शुरू हुआ तो युद्ध जल्दी समाप्त होगा, इस नाते से अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में दाम कम हो गए। इस प्रकार युद्ध होने से पहले दाम ज्यादा बढ़े और धीरे-धीरे युद्ध जब समाप्त होता जा रहा है, दाम कम हो रहे हैं।

श्री दीपांकर मुखर्जी : सर, मेरी आपसे अपील यही है कि यह डिसको डांस से ज्यादा इम्पोर्टेन्ट है। पूरे हिन्दुस्तान के कंज्यूमर इसके ऊपर नाच रहे हैं। यह सवाल बहुत इम्पोर्टेन्ट है। The question is actually not for the Petroleum Minister to reply. The fact is, अगर क्रूड प्राइस की कास्ट बढ़ती है तीस डालर, बीस डालर, तो फायदा फाइनेन्स मिनिस्ट्री को होता है। कंज्यूमर के ऊपर बोझ बढ़ रहा है और फायदा फाइनेन्स मिनिस्ट्री को होता है। उसका तो टैक्स बढ़ता ही जाता है। And there, जो इन्होंने कहा कि रेश्यो क्या है? रेश्यो में अगर 14 रुपए बेसिक प्राइज है, स्टैंडिंग कमेटी की जो इन्होंने फिगर दी है, Rs. 33 is the selling price.

That means, more than 50 per cent is on taxes. The moment the crude prices come, the taxes also increase. So, how is the consumer supposed to pay Rs. 8 more? सर मेरा थम्ब रूल है, I would like to requst the hon. Minister to make it clear in the House, यहां आठ रुपए बढ़ता है, चार रुपए नहीं बढ़ता। You please, have one benchmark. मैं आपके सामने अपना कैल्कुलेशन दे रहा हूं- 30 डालर, 24 डालर अगर पर बैरल है तो एक बैरल, सात गैलन से एक टन होता है। उस हिसाब से अगर 24 डालर होता है तो पर लीटर क्रूड प्राइस का होगा साढ़े आठ रुपए से--रुपीज कंवर्जन से , 50 रुपीज डालर लेकर साढ़े आठ रुपए पर लीटर। अगर तीस डालर होता है तो दस रुपए पर लीटर। वह अगर क्रूड का प्राइस है कंज्यूमर को मालूम होना चाहिए कि क्रूड का प्राइज प्लस रिफाइनिंग कोस्ट 20 परसेंट, इसके बाद मार्केटिंग कोस्ट करके उसको कितना उसे देना पड़ेगा। तो आठ रुपए की क्रूड कास्ट के बाद भी अगर किसी को 33 रुपए देना पड़ता है तो दस रुपए क्रूड प्राइज के बाद भी 28 रुपए देना पड़ता है। Is this country, is the Parliament, not empowered to know what exactly is the cost calculation? एक बैंच मार्किंग करके बोलिए कि as per your calculation रूपी डालर लेकर के 22 डालर या 24 डालर अगर क्रूड प्राइज होता है actual cost of price defined जो है यह कितना है? उसके ऊपर वैल्युएशन हो, नहीं तो this variation does not have any meaning. You come out with benchmarking of the crude price vis-a-vis the retail sale price, stating 'if this is the crude price, this is the retail sale price.'

श्री राम नाईक : सर, जिस दाम पर विदेश से कच्चा तेल परचेज किया जाता है, वह बताया जाता है, उस पर टैक्सेस कितने हैं, वे भी मैंने बताए। आखिर जो स्थिति है, इन्होंने कहा कि यह ठीक है कि पैट्रोलियम मंत्री का यह सवाल नहीं है। अब सवाल तो आप प्रश्न काल में पैट्रोलियम मंत्री से ही पूछेंगे। जो स्थिति है, फैक्चुअल स्थिति वही मैं बता रहा हूं कि जब विदेश से इतने बड़े पैमाने पर लाना पड़ता है तो उसके आधार पर और जो विद्यमान टैक्सेस हैं उनके आधार पर ग्राहक के लिए कीमत तय होती है।...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी : मुझे आप यह बता दीजिए कि क्रूड प्राइज अगर बीस डालर पर बैरल है तो रिटेल प्राइज कितना होगा? अगर 24 डालर है तो रिटेल प्राइज कितना होगा? अगर तीस डालर है तो रिटेल प्राइज कितना होगा? आप यह सबके सामने रख दीजिए। बीस डालर अगर क्रूड प्राइज...(*Interruptions*)...It is not a question that every day I have to ask.

SHRI KAPIL SIBAL : It should benefit the consumer...(*Interruptions*)...

श्री नीलोत्पल बसु : अगर उस पर छोड़ दिया जाएगा तो प्राइज...(**व्यवधान**) कम होगी। एक तरफ कहा जा रहा है कि मार्किट फोर्सेज डिटर्मिन करेगी। दूसरी तरह आप अंदर के टैक्सेशन करेंगे...(**व्यवधान**) प्राइसेस अगर ट्रांसपिरेंट नहीं होगा, मार्किट फोर्सेज पर छोड़ दिया जाएगा तो दोनों तरफ कंज्यूमर को नुकसान होगा।..(**व्यवधान**)...

SHRI KAPIL SIBAL : He is robbing the consumer...(*Interruptions*)... Sir, this is a very serious issue...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN : This is the Question Hour. ...(*Interruptions*)... Question and answer is not the only solution. Find some otherway...(*Interruptions*)...I will see to it...(*Interruptions*)...

Foreign ventures of GAIL

*446. SHRI B. J. PANDA:†
MISS MABEL REBELLO :

Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the news "GAIL India sets sight overseas" as reported in media;

(b) if so, what are its proposed new ventures in the foreign fields; and

(c) the countries where the company is already having ventures in CNG and petrochemicals togetherwith the annual earnings in foreign exchange from the existing ones?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK); (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. GAIL (India) Limited (GAIL) is pursuing overseas opportunities in the areas of its core competence i.e. development and operation of gas pipeline infrastructure, gas processing facilities to recover value added products and gas retail business besides initiatives based on alliances with reputed international companies.

(b) GAIL is a partner in a consortium of three Oil Public Sector Undertakings, namely, Indian Oil Corporation Limited GAIL and Oil & Natural Gas Corporation Limited to import natural gas from Bangladesh. Further, GAIL has taken an assignment in Block A-1 in Myanmar Offshore alongwith ONGC Videsh Limited (OVL) from Daewoo International Corporation, Korea.

In addition to the above, GAIL is exploring new business ventures abroad in the countries such as Iran, Egypt, Philippines and Brazil.

---

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri B.J. Panda.